www . nbpgr.ernet.in

ISSN No.: 2584-1149

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो

संवाद

अक्टूबर–दिसंबर 2023

संक्षिप्त खबरें

कार्यशाला, बैठक, सेमिनार और सम्मेलन	1
राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संपर्क	4
समझौता ज्ञापन	4
क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण	4
समारोह	5
दौरे	6
सफलताएं/ उपलब्धियां	6
विविध	7

एनबीपीजीआर मुख्यालय, नई दिल्ली

निदेशक की कलम से.....

स्वतंत्रता के बाद भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में उल्लेखनीय बदलाव आए हैं। कृषि समग्र आर्थिक विकास का एक अभिन्न अंग है और स्वतंत्रता के समय राष्ट्रीय आय और **व्यवसाय** का मुख्य स्रोत था। इस दौरान भारत की राष्ट्रीय आय में कृषि का लगभग 50% योगदान था और उस समय कुल कामकाजी आबादी के लगभग 72% लोग कृषि में कार्यरत थे। यद्यपि पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान कम हो रहा है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि अन्य क्षेत्रों और समग्र अर्थव्यवस्था का विकास काफी हद तक कृषि के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। इन्हीं कारणों से कृषि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख अंग है। मौसम की अनिश्चितता, मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट, बढ़ते वायुमंडलीय तापमान और अधिक विषैले **कीटों** और रोगजनकों के उद्भव जैसे कई सीमित कारकों के बावजूद स्वतंत्रता के बाद की भारतीय कृषि की यात्रा काफी प्रभावशाली रही है। एनबीपीजीआर में पीजीआर की गतिविधियों में अपेक्षित और व्यापक प्रगति आम **किसान** तक सुरक्षित बीज पहुंचाने की दिशा में अहम भूमिका अदा कर रहा है। इस दौरान एनबीपीजीआर को निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में अधिसूचित किया जाना संस्थान को जिम्मेदारियों के प्रति और सजग करता है। **वर्तमान** युग सूचना-प्रौद्योगिकी का युग है। वैश्वीकरण के इस दौर में भौगोलिक दूरियां संकुचित हो रही हैं, जिस कारण समस्त विश्व ने एक ग्राम का स्वरूप ले लिया है। वैज्ञानिक संसाधनों के नित-नए आविष्कारों के साथ ही परस्पर संपर्क स्थापित करने के नित नए माध्यम भी विकसित हो रहे हैं। इस परिदृश्य में विश्व स्तर पर परिवर्तित होती हुई जीवन शैली के साथ जन- मन की सभी अंतर्राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना आज की मांग है। हमें आज की कृषि को वैश्विक मांग के अनुसार विकसित करने की **आवश्यकता** है। एनबीपीजीआर विश्व की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर इस **दिशा** में कार्य कर रहा है।

मुझे यह कहने में गर्व है कि हिंदी ज्ञान-विज्ञान और साहित्य की विभिन्न विधाओं और दैनिक **प्रयोग** में आने वाली प्रयुक्तिगत शब्दावली को अभिव्यक्त करने में पूर्ण सशक्त और समृद्ध है। अपनी संप्रेषण क्षमता से हिंदी आज विश्व में द्रुत गति से **अग्रसर** है। विश्व में हिंदी की व्यापकता के कारण भारत की प्राचीन अथाह ज्ञान-विज्ञान संपदा के प्रति विद्वानों का आकर्षण बढ़ा है और वैदिक साहित्य, ज्ञान-विज्ञान और गणित विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालयों में शोध के विषय बन चुके हैं। अतः हिन्दी में एनबीपीजीआर रिपोर्टर का डिजिटल प्रकाशन संस्थान सहित लोक हित में है। मैं इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ साथ ही इसके प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक

आईसीएआर-एनबीपीजीआर की अनुसंधान सलाहकार समिति की 25वीं बैठक डॉ पी एल गौतम की अध्यक्षता में 31 अक्टूबर 2023 को हाइब्रिड-मोड में आयोजित की गई। अध्यक्ष महोदय ने सभी समिति सदस्यों, प्रभागों के प्रमुखों, आईसीएआर-एनबीपीजीआर की विभिन्न इकाइयों और क्षेत्रीय स्टेशनों के प्रभारी अधिकारियों का हार्दिक स्वागत किया। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, उन्होंने पिछली आरएसी बैठक के दौरान बहुमूल्य इनपुट प्रदान करके आईसीएआर-एनबीपीजीआर की गतिविधियों को मजबूत करने के लिए आरएसी के सदस्यों को उनके इनपुट के लिए धन्यवाद दिया। सभापति ने समिति के प्रत्येक सदस्य को अपना विचार प्रस्तुत करने को कहा। मुख्य परिसर के सभी प्रभागों/इकाइयों के प्रमुखों द्वारा प्रत्यक्ष रूप में और सभी क्षेत्रीय स्टेशनों के प्रभारी अधिकारियों द्वारा वर्चुअल मोड में संक्षिप्त प्रस्तुतियाँ दी गईं। प्रस्तुतियाँ अनिवार्य गतिविधियों, महत्वपूर्ण उपलब्धियों और प्रस्तावित नई पहलों पर केंद्रित थीं। आरएसी के दौरान इन सभी इंटरैक्टिव प्रस्तुतियों के बाद सिफारिशों के संबंध में चर्चा की गई।

संस्थान प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति (आईटीएमसी) की बैठक

निदेशक, आईसीएआर-एनबीपीजीआर ने प्रौद्योगिकी/आविष्कार "बहु-स्थान मूल्यांकन के माध्यम से पहचाने गए लक्षण-विशिष्ट जर्मप्लाज्म के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली" के कॉपीराइट दावे पर चर्चा करने के लिए 27 अक्टूबर, 2023 को दोपहर 3.00 बजे 32वीं आईटीएमसी बैठक का आयोजन किया गया। यह प्रौद्योगिकी डॉ मधुबाला प्रियदर्शी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जीनोमिक संसाधन प्रभाग और डॉ हनुमान लाल रैगर, प्रधान वैज्ञानिक एवं ओआईसी, एकेएमयू, आईसीएआर-एनबीपीजीआर, नई दिल्ली द्वारा विकसित की गई है। इसके अतिरिक्त डॉ संदीप कुमार, प्रधान वैज्ञानिक जीनोमिक संसाधन प्रभाग और अन्य सहयोगी द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी/आविष्कार "नोवेल केएएसपी मार्कर इन व्हीट" के पेटेंट दावे पर चर्चा करने के लिए 13 दिसंबर, 2023 को सुबह 10.30 बजे 33वीं आईटीएमसी बैठक आयोजित की गई।

संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक

अनुसंधान सलाहकार समिति की सिफ़ारिशों के अनुसरण में 33वीं संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्रवाई के संदर्भ में प्रभागों के भीतर कई दौर की बातचीत हुई और उसके बाद 12 दिसंबर, 2023 को पूर्वाहन 11:00 बजे और 19 दिसंबर, 2023 को अपराहन 2:30 बजे संस्थान अनुसंधान परिषद (आईआरसी) की दो तैयारी बैठकें बुलाई गईं। वर्तमान में संचालित अनुसंधान परियोजनाओं के संशोधन और अनुकूलन पर चर्चा करने के लिए डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, अध्यक्ष, आईआरसी और निदेशक, आईसीएआर-एनबीपीजीआर की अध्यक्षता में डॉ हरभजन सिंह समिति कक्ष में बैठक में सभी सदस्यों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यन्वयन समिति की बैठक

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन निदेशक डॉ जी पी सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 18 दिसंबर 2023 को आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अध्यक्षों के साथ सभी इकाइयों और क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रभारी शामिल थे। हिन्दी में कार्यों की प्रगति पर चर्चा के दौरान सभी प्रभारी अधिकारियों से उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के बारे जानकारी ली गई और कार्यान्वयन में आ रही समस्याओं को दूर करने के उपाए सुझाए गए। 'प्रशासन में राजभाषा समन्वय' विषय पर अखिल भारतीय सम्मेलन के आयोजन के बारे में चर्चा की गई। यह फरवरी के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जाएगी। बैठक में धारा 3(3) के दस्तावेजों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही इस विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

जर्मप्लाज्म पंजीकरण समिति (पीजीआरसी) की 51वीं बैठक

एनबीपीजीआर ने 22 नवंबर 2023 को प्लांट जर्मप्लाज्म पंजीकरण समिति (पीजीआरसी) की 51वीं बैठक में डॉ टीआर शर्मा (डीडीजी) फसल विज्ञान, आईसीएआर की अध्यक्षता में वर्चुअल मोड में आयोजित की। इस बैठक में कुल 65 प्रस्तावों पर विचार किया गया जिनमें से 58 (25 प्रजातियों से संबंधित) को मंजूरी दे दी गई।

कृषि वानिकी पादप आनुवंशिकी संसाधन पर परामर्श कार्यशाला

दिनांक 04.10.2023, झांसी

आर्थिकी और पारिस्थितिकी को सुनिश्चित करने की दिशा में एक पहल रूप में निदेशक एनबीपीजीआर द्वारा आईसीएआर-सीएएफ़आरआई, झांसी का दौरा किया गया जहां कृषि वानिकी पादप आनुवंशिकी संसाधन पर परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में ट्री जननद्रव्य के संरक्षण और पंजीकरण के बारे में वक्तव्य दिया गया। कार्यक्रम में निदेशक एनबीपीजीआर के साथ

निदेशक सीएएफ़आरआई, झांसी डॉ ए अरुणाचलम और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी उपस्थित थे।

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

एनबीपीजीआर मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्र जोधपुर में क्रम

शः दिनांक 22 दिसंबर और 29 दिसंबर को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में श्री आशुतोष कुमार, उप निदेशक (राभा) ने राजभाषा के विभिन्न नियमों और राजभाषा विभाग के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के सहज उपायों पर व्याख्यान दिया। मुख्यालय की कार्यशाला में मुख्यालय सहित क्षेत्रीय केन्द्रों को तिमाही रिपोर्ट भरने के संबंध में जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 11 अक्टूबर 2023 शिमला

यदि आप विविध खाएंगे, तो आप विविध रूप से विकसित होंगे इस विचार के साथ पादप आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण के लिए एक बेहतर रणनीति के अंतर्गत निदेशक और निदेशक आईसीएआर-सीपीआरआई, शिमला, हिमाचल प्रदेश ने एससी-एसपी कार्यक्रम के तहत रामपुर क्योंथल पंचायत के किसानों से बात की। उपस्थित किसानों के बीच वक्तव्य देते हुए निदेशक एनबीपीजीआर ने घर के पीछे बागीचा लगाने और उसमें विविध प्रकार के पौधे लगाने पर ज़ोर दिया।

पीजीआर जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 17.10.2023 केरल

क्षेत्रीय केंद्र त्रिस्सूर, केरल में दिनांक 17.10.2023 को बीएससी के छत्तीस छात्रों के लिए पीजीआर जागरूकता कार्यक्रम और शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया। श्री नीलकंठ सरकारी संस्कृत कॉलेज, पट्टांबी, पलक्कड़, केरल के तीन संकाय सदस्यों के साथ वनस्पति विज्ञान के अंतिम वर्ष के छात्रों ने केंद्र का भ्रमण किया। इस दौरान सभी छात्रों को पीजीआर के विभिन्न विषयों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संपर्क

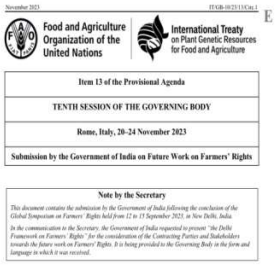
Food and Agriculture Organization of the United Nations

International Treaty on Plant Genetic Resources for Food and Agriculture

Item 13 of the Provisional Agenda

TENTH SESSION OF THE GOVERNING BODY

Rome, Italy, 20–24 November 2023

Submission by the Government of India on Future Work on Farmers' Rights

Note by the Secretary

पादप समझौते (प्लांट ट्रीटी) के शासी निकाय की 10वीं बैठक का आरंभ 20 नवंबर 2023 एफ़एओ रोम में हुई जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व डॉ बालाजी (भारतीय दूतावास रोम), डॉ दिनेश अग्रवाल (पीपीवीएफ़आरए) और डॉ सुनील अर्चक (आईसीएआर-एनबीपीजीआर) ने किया। इस दौरान भारत सरकार के पीपीवीएफ़आरए कार्यलय द्वारा तैयार किए गए दिल्ली फ्रेमवर्क ऑन फार्मर्स राइट्स को पादप समझौता के उक्त बैठक में शामिल किया गया।

साइट्रस अनुसंधान पर गहन विमर्श का आयोजन

एनबीपीजीआर में नींबूवर्गीय अनुसंधान को बढ़ावा देते हुये दिनांक 1 दिसंबर 2023 को निदेशक एनबीपीजीआर द्वारा साइट्रस अनुसंधान पर गहन विमर्श का आयोजन किया गया। इस दौरान फ्लॉरिडा विश्वविद्यालय के डॉ फ्रेड ग्मिटर जूनियर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवारसाइड के डॉ माइकल रूज़, डॉ जार्जिया विडालाकिस, डॉ चंद्रिका रामदुगु, डेविड कार्प और एनआरआईएई (फ्रांस का राष्ट्रीय कृषि, खाद्य एवं पर्यावरण अनुसंसंधान संस्थान) के डॉ फ्रैंक कर्क ने अपना वक्तव्य दिया। निदेशक डॉ जीपी सिंह ने भारतीय परिप्रेक्ष्य में नींबूवर्गीय अनुसंधान के महत्व को देखते हुए एनबीपीजीआर संस्थान के उसमें योगदान को सराहा।

समझौता ज्ञापन

एनबीपीजीआर और आईआरआरआई के बीच एक एलओआई

भारत में चावल जर्मप्लाज्म संवर्धन और उपयोग के अनुसंधान और विकास में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एनबीपीजीआर और आईआरआरआई के बीच एक एलओआई पर हस्ताक्षर किए गए। एनबीपीजीआर के

निदेशक डॉ ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और आईआरआरआई के निदेशक डॉ सुधांशु सिंह ने आईआरआरआई दिल्ली कार्यालय में समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह भारत में चावल अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में ऐतिहासिक पल था।

उत्तर-पूर्व पर्वतीय क्षेत्रों में बीजबैंक विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन

दिनांक 13 अक्टूबर, 2023 दिल्ली

पूर्वोत्तर राज्यों की कृषि समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कदम के रूप में 13 अक्टूबर 2023 को एनईसीटीएआर (NECTAR) के महानिदेशक डॉ अरुण कुमार सरमा और निदेशक डॉ जी पी सिंह के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एनबीपीजीआर द्वारा आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण और उत्तर-पूर्व पर्वतीय क्षेत्रों में सामुदायिक बीज बैंक विकसित करने के लिए इस समझौता ज्ञापन का विशेष महत्व है।

क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण

शैक्षणिक भ्रमण सह पीजीआर प्रशिक्षण

हैदराबाद में 2 नवंबर, 2023 को श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय के सत्रह स्नातकोत्तर छात्रों और दो संकाय सदस्यों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। साथ ही दिनांक 27.10.2023 को प्रोफेसर जयशंकर

तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी, कृषि के अंतिम वर्ष) के बीस छात्रों के लिए पीजीआर शैक्षणिक भ्रमण सह जागरूकता अभियान का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से सभी छात्रों को पीजीआर के विशिष्ट पहलुओं से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 2-8 नवंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली पादप आनुवंशिक संसाधनों का प्रबंधन" विषय पर कृषि महाविद्यालय, बावल, सीसीएस, एचएयू, हिसार के बीएससी (ऑनर्स) / कृषि के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। निदेशक डॉ जी पी सिंह, ने एनबीपीजीआर की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

समारोह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

31 अक्तूबर 2023, नई दिल्ली

"आप अपनी आत्मा से कभी झूठ नहीं बोल सकते"। हमें ज्ञात है सत्यनिष्ठा अपने कर्तव्य का पालन करती है भले ही कोई आपको नहीं देख रहा हो। दिनांक 31 अक्तूबर को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया और इस अवसर पर निदेशक डॉ जी पी सिंह द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई गई। डॉ ईश्वर सिंह, सतर्कता अधिकारी, की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस उपलक्ष्य में पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम में सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

वार्षिक राजभाषा पुरस्कार समारोह

दिनांक 7 नवंबर, 2023 को, नई दिल्ली में निदेशक, एनबीपीजीआर की अध्यक्षता में वार्षिक राजभाषा पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो डॉ श्याम सिंह शशि और विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त सचिव श्री राजीव लाल उपस्थित थे। इस अवसर पर पूरे वर्ष राजभाषा से संबंधित आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के सफल प्रतिभागियों पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विश्व खाद्य दिवस का आयोजन

दिनांक 16 अक्तूबर 2023

'आइए खाद्य प्रणाली में विविधता लाएं और बाजरा सबसे अच्छा विकल्प है' विश्व खाद्य दिवस 2023 के अवसर पर बोलते हुए निदेशक डॉ जीपी सिंह ने बाजरा को खाद्य प्रणाली के अच्छे विकल्प के रूप में बताया। एनबीपीजीआर ने देश भर के कई शोधकर्ताओं की भागीदारी के साथ बार्नयार्ड बाजरा फील्ड दिवस का आयोजन किया। इस दौरान निदेशक एनबीपीजीआर ने सहयोगात्मक प्रयासों पर जोर देते हुए भावी योजनाओं से अवगत कराया। उन्होने हर एक प्रोजेक्ट को किसान केन्द्रित करने पर ज़ोर देते हुए उक्त बातें कहीं।

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम

20 दिसंबर, 2023 नई दिल्ली

छोटे-छोटे सकारात्मक कदम बड़ा प्रभाव पैदा करते हैं। आज 'अपशिष्ट से पूंजी' के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए एनबीपीजीआर और एनजीओ गूंज के सहयोग से संस्थागत कचरे के पुनर्चक्रण की पहल की गई। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के अंतर्गत यह कार्यक्रम जीडीआर प्रभाग द्वारा अध्यक्ष डॉ राकेश सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ।

किसान दिवस

23 दिसंबर, 2023 नई दिल्ली

'कुशल मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के साथ पादप आनुवंशिक संसाधनों का कार्यनीतिक उपयोग उभरती जलवायु परिवर्तन समस्या के तहत किसानों के भोजन, पोषण और आय सुरक्षा की कुंजी है' उक्त बातें डॉ राकेश सिंह प्रभागाध्यक्ष, डीजीआर ने इस्सापुर फार्म में आयोजित किसान दिवस 2023 कार्यक्रम के दौरान कही। हरे अनाज से खाद बनायें, खाद से धन बनायें विचार को आगे बढ़ाते हुए किसान दिवस के अवसर पर एनबीएसएसएलयूपी केंद्र के सहयोग से ईसापुर फार्म में किसानों को स्वच्छ भारत के लिए फार्म प्रक्षेत्र में स्वच्छता पर चर्चा के माध्यम से किसानों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर विभिन्न वर्गों के किसान भाई कार्यक्रम में उपस्थित थे।

विश्व मृदा दिवस का आयोजन

एनबीपीजीआर ईसापुर फार्म, नई दिल्ली में किसानों के बीच 5 दिसंबर 2023 को विश्व मृदा दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें मृदा एवं जल-जीवन स्त्रोत विषय पर सिंचाई जल एवं मृदा स्वास्थ्य जांच से फसलों की सतत उत्पादकता पर विस्तृत चर्चा की गई।

दौरा

डॉ डी के यादव, सहायक महानिदेशक, आईसीएआर ने क्षेत्रीय केंद्र हैदराबाद का दिनांक 7 नवंबर 2023 को दौरा किया। उन्होने हैदराबाद सुविधाओं का निरीक्षण किया और और कर्मचारियों के साथ बातचीत की। उन्होने सभी वैज्ञानिकों से बातचीत करते हुए पीजीआर प्रबंधन पर की जा रही गतिविधियों में टीम के प्रयास की सराहना की।

सफलताएं एवं उपलब्धियां

जर्मप्लाज्म के लिए निरीक्षण प्राधिकरण के रूप में अधिसूचना

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

आईसीएआर-एनबीपीजीआर को पादप संगरोध आदेश 2003 के तहत निरीक्षण प्राधिकरण (आईए) के रूप में मान्यता दी गई है। 19 दिसंबर, 2023 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, प्रभागाध्यक्ष, पादप संगरोध प्रभाग, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली और प्रभारी अधिकारी, एनबीपीजीआर का क्षेत्रीय हैदराबाद को जर्मप्लाज्म के लिए निरीक्षण प्राधिकरण के रूप में अधिसूचित किया गया है।

विविध

एनबीपीजीआर ने 18 से 21 दिसंबर 23 तक सीआईएई भोपाल में आईसीएआर सेंट्रल जोन स्पोर्ट्स मीट की कई प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की। इसमें बैडमिंटन (पुरुष) में प्रथम, बैडमिंटन (महिला युगल) में द्वितीय,

बैडमिंटन (मिश्रित डबल) में द्वितीय, वॉलीबॉल (शूटिंग)

में दूसरा, दौड़ 100 मीटर (पुरुष) में द्वितीय, 200 मीटर दौड़ (महिला) में द्वितीय, ऊंची कूद (पुरुष) में तृतीय पुरस्कार प्रमुख हैं।

एनएएएस पुरस्कार

इस वर्ष संस्थान के दो वैज्ञानिकों को देश के प्रतिष्ठित नास पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। डॉ राकेश सिंह, प्रभागाध्यक्ष डीजीआर को बागवानी विज्ञान श्रेणी में नास फेल्लौशिप 2024 और डॉ कुलदीप त्रिपाठी, वैज्ञानिक को फसल विज्ञान श्रेणी में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ।

सेवानिवृत्ति

फरवरी: श्री अरुण कुमार शर्मा , तकनीकी अधिकारी

मार्च: 1. श्री रमेश चंदर, तकनीकी अधिकारी

2. डॉ आरएस राठी, प्रधान वैज्ञानिक

3. श्री दिनेश शर्मा, सहायक

केंद्र परिचय

एनबीपीजीआर का क्षेत्रीय केंद्र शिमला

एनबीपीजीआर का यह क्षेत्रीय स्टेशन, जो आईएआरआई, नई दिल्ली के प्लांट इंट्रोडक्शन डिवीजन का पूर्ववर्ती क्षेत्रीय केंद्र था, दिनांक 10.03.1960 को फागली, शिमला, हिमाचल प्रदेश में 6.80 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण के साथ अस्तित्व में आया था। यह 31.5डिग्री उत्तर और 77.5 डिग्री पूर्व पर स्थित है, जो शिमला रेलवे स्टेशन से 4 किमी दूर और बस स्टैंड से 1.0

किमी दूर है। डॉ एस ए ददलानी पहले वैज्ञानिक थे जो केंद्र में सहायक वनस्पतिशास्त्र वैज्ञानिक के रूप में शामिल हुए और पीजीआर गतिविधियाँ शुरू कीं। वर्ष 1976 में, एनबीपीजीआर अस्तित्व में आया और केंद्र इसका हिस्सा बन गया । इसे क्षेत्रीय स्टेशन के रूप में पुनः नामित किया जिसका अधिदेश भोजन और कृषि के लिए स्वदेशी और विदेशी पौधों के आनुवंशिक संसाधनों का अधिग्रहण और प्रबंधन, और उत्तर-पश्चिमी भारतीय हिमालयी क्षेत्र में कृषि के सतत विकास के लिए संबंधित अनुसंधान और मानव संसाधन विकास करना है।

परामर्श एवं सहयोग:

श्री सुरेश कुमार गजमोती, प्रशासन प्रमुख

संकलन एवं संपादन : श्री आशुतोष कुमार, उप निदेशक (राभा)

प्रकाशक –निदेशक, भाकृअप-एनबीपीजीआर, पूसा परिसर, नई दिल्ली 110012

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

एक झलक.....

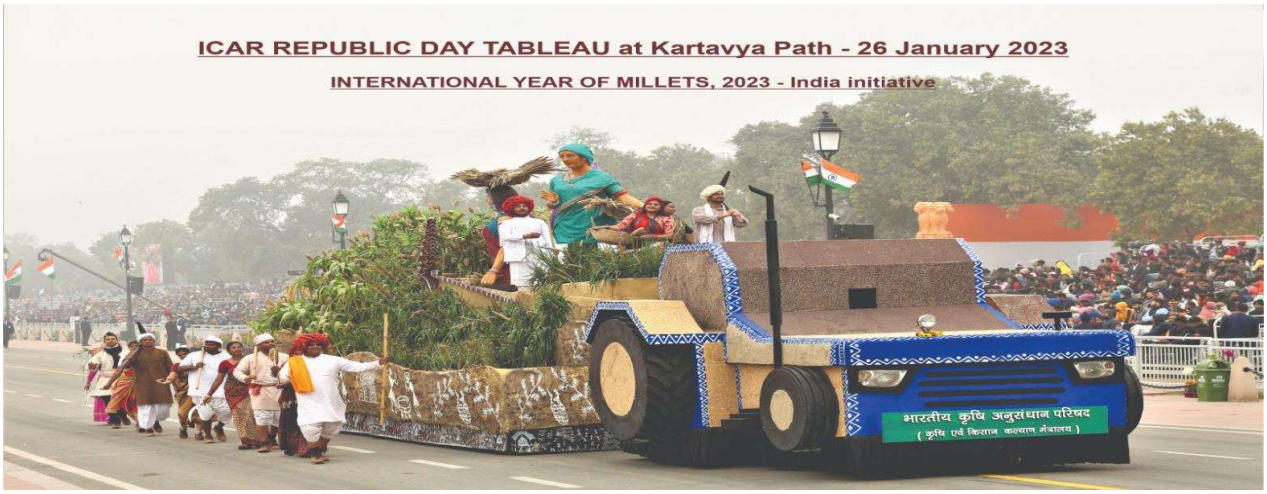

कृषि नेतृत्व....

श्री अर्जुन मुंडा,
केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री

श्री कैलाश चौधरी,
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री

डॉ. हिमांशु पाठक,
सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (आईसीएआर)

डॉ. तिलक राज शर्मा,
उप महानिदेशक (आईसीएआर)

डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह
निदेशक,आईसीएआर-एनबीपीजीआर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो
पूसा, नई दिल्ली-110012
दूरभाष: +91-11-25843697, फैक्स:+91-11-25842495
ई-मेल: director.nbpgr@icar.gov.in, वैबसाइट: www.nbpgr.ernet.in